महावीर जयंती महोत्सव पर दिव्य घोषों के बीच निकला ऐतिहासिक व भव्य चल समारोह

जबलपुर

जबलपुर, अरविन्द जैन 'बाकल'। महावीर जयंती के पर्व पर नगर में परंपरानुसार सभी मंदिर को मनोरम रुप से सजाया गया। मुख्य शोभायात्रा में शामिल होने चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर संगम कालोनी की पालकी निकाली गई, जिसकी पूजन आरती एवं जुलूस का स्वागत अनेक स्थानों पर किया गया। सकल समाज की शोभायात्रा सुबह 7.30 बजे हनुमानताल बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई कमानिया गेट आयी। कमानिया गेट से अन्य झांकियां और पालकियां सम्मिलित हुई। जुलूस में शहर के 20 मंदिरों की झांकियां एवं रजत पालकी, 4 श्रीजी के रथ, 10 बग्घी, 20 बैण्ड पार्टी, 5 धमाल पार्टी, 25 घोड़े एवं बड़ी संख्या में जैन समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। जुलूस में परम पूज्य 105 अपूर्वमति माताजी एवं कुशलमति माताजी का सानिध्य रहा। शोभायात्रा का जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ कमानिया गेट पर वापिस आया, जहाँ पर सभी मंदिरों की पालकी एवं श्री जी की पालकी दोपहर तक कमानिया गेट पर महाशांतिधारा कार्यक्रम हेतु रखी गई। दोपहर में सौधर्म इन्द्र, ईशान इन्द्र आदि द्वारा महाशांतिधारा की गई, उसके बाद माताजी द्वारा धर्मसभा को संबोधित किया गया। शोभायात्रा में माननीय सांसद, विधायक एवं नेतागण सम्मिलित हुये।

गंजबासौदा

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती उत्सव 23 अप्रैल को नगर के जैन श्रद्धालुओं द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया। चल समारोह में शामिल होने के लिए कुछ दिन पूर्व से ही बाहुबली सेना, जैन मिलन सोशल ग्रुप द्वारा पूरे नगर में धर्म पताका व पीले चावल का वितरण किया गया, साथ जैन बंधुओं से अपने प्रतिष्ठान मंगल कर चल समारोह में शामिल होने का निवेदन किया गया था व अपने निज निवासों पर लाइटिंग व दीपक जलाने का भी निवेदन किया।

दि. 22 अप्रैल यानी महावीर जयंती के एक दिन पहले एक ऐतिहासिक वाहन रैली निकाली गई जिसमें सैकड़ो दो पहिया वाहनों पर युवा वर्ग धर्म पताकाये लेकर व जयघोष करते हुए व डी.जे. पर भजनों पर नृत्य करते हुये वाहन रैली निकाली गई। वाहन रैली का आयोजन बाहुबली सेना द्वारा किया गया था।

महावीर जयंती का चल समारोह सुबह 8 बजे धूसरपुरा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ महावीर विहार पहुँचा।

धूसरपुरा जैन मंदिर में चांदी के विमान पर श्रीजी को विराजमान कर चल समारोह प्रारंभ हुआ। चल समारोह में सबसे आगे केसरिया पताके फहराते हुए धर्मालु अश्वारुढ़ बालक चल रहे थे। जिनके पीछे त्रिशला माता के 16 स्वप्नों व अष्ट देवियों द्वारा माता की सेवा करते हुए झांकी की प्रस्तुति धूसरपुरा जैन पाठशाला द्वारा तैयार की गई थी। उसके बाद श्री महासागर व्यायाम शाला का दिव्य घोष तथा महावीर स्वामी द्वारा वन में तपस्या करते हुये व जंगल का राजा शेर द्वारा सुरक्षा प्रदान करते हुये झांकी चल रही थी। उसके बाद श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा एक सुंदर गरबा की प्रस्तुति दी गई। डी.जे. पर जैन भजनों पर वरिष्ठजन व युवावर्ग नृत्य करते हुये चल रहे थे। वीरसेवा दल व श्री विद्यासागर सेवा दल बढ़ेपुरा के दिव्यघोषों का संचालन हो रहा था। विमान में श्रीजी विराजमान कर पालकी को कंधो पर लेकर सैकड़ों की संख्या में समाज बंधु चल रहे थे। विमान के पीछे एक विशाल महिला समूह भजनों को गाते हुए चल रहा था।

पूरे चल समारोह में जगह जगह जैन सोशल ग्रुप द्वारा ठंडा जल, रसना, दूध की ठंडाई की व्यवस्था की गई। चल समारोह से पूरा नगर धर्ममय हो गया था। जगह जगह बैनर, होर्डिंग व स्वागत द्वार लगाये गये थे। नगर के टीआई श्री विमल जैन द्वारा श्रीजी की आरती कर स्वागत किया गया । इसके अलावा श्री राम जन्मोत्सव समिति, ब्राह्मण महापंचायत, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, अहिरवार युवा परिषद, आर्या मोटर्स सहित जगह जगह नागरिकों संस्थाओं द्वारा श्रीजी की आरती उतारी गई। इसके साथ ही अनेक स्थानों पर जैन परिवारों द्वारा रंगोलियां बनाई गई व आरती उतारी गई।

अंत में चल समारोह महावीर विहार पहुँचा जहां पर श्रीजी का अभिषेक व शांतिधारा की गई तत्पश्चात पूरे समाज के लिए सहभोज का आयोजन किया गया था। महावीर विहार में श्वेताम्बर जैन समाज के महाराज सा. के प्रवचन हुये जिसमें उन्होंने बासौदा जैन समाज की एकता पर प्रसन्नता जाहिर की व अपना आशीर्वाद दिया।

शाम 7बजे भव्य आरती की गई तत्पश्चात बासौदा की समस्त जैन पाठशालाओं के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये व अंत में वीर सागर पाठशाला की महिलाओं द्वारा **माँ की ममता का महत्व** नामक नाटिका प्रस्तुत की गई। इस नाटिका का संचालन ब्रह्मचारिणी अराधना दीदी द्वारा किया गया।

विदिशा

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती महोत्सव का कार्यक्रम बहुत ही उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन 22 अप्रैल को श्री चन्द्रप्रभु मंदिर से प्रभात फेरी प्रारंभ होकर, पार्श्वनाथ जिनालय अरिहंत बिहार से होती हुई तिलक चौक पर पहुँचकर शीतलनाथ छोटा मंदिर की प्रभातफेरी एवं पार्श्वनाथ जिनालय 'राम द्वार' की प्रभात फेरी में शामिल होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भगवान महावीर की जयकारे के साथ एवं भगवान महावीर का मुख्य नारा **जियो और जीने दो** की गर्जना के साथ मालवीय उद्यान में पहुँचकर ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रभातफेरी में समाज जनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

23 अप्रैल को श्रीजी की मुख्य शोभा यात्रा किलेअंदर से ''छोटे जैन मंदिर'' से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई माधवगंज पर पहुंची। श्रीजी की यात्रा में समाज के सभी वर्गो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शोभायात्रा का अनेक स्थानों पर स्वागत हुआ। रास्ते भर श्री जी की आरती उतारी गई। जैन मिलन शाखा विदिशा द्वारा शोभायात्रा में शामिल भाईयो, माता, बहिनों को शीतल शर्बत वितरित किया गया। जैन सोशल ग्रुप विदिशा द्वारा पक्षियों के लिये जल पात्र वितरित किये गये।

माधवगंज पहुंचकर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं सामूहिक पूजन संगीतमय वातावरण में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राघवजी भाई, वित्तमंत्री म.प्र.शासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों की आज अधिक आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक श्री चौधरी ने सभी समाज बंधुओं को इस अवसर पर महावीर जयंती की शुभकामनाएं प्रदान की। श्री हृदयमोहन जैन, अध्यक्ष अ.भा तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने भी सभी को इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रदान की।

कार्यक्रम स्थल पर महिला मंडल द्वारा जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पालने का कार्यक्रम रखा गया। शाम को श्री महावीर दि. जैन मंदिर में भी भगवान के पालने का कार्यक्रम रखा गया। अंत में निराश्रितजनों को भोजन भी कराया गया एवं वस्त्र वितरण किये गये।

पावाजी में महावीर जयंती संपन्न

महावीर जयंती पर अद्भुत संयोग – खुदाई में 13 प्राचीन जैन प्रतिमाएं निकली

कानपुर, अमोद जैन। जहाजपुर (भीलवाड़ा) में मंगलवार दोपहर एक मकान की नींव की खुदाई के दौरान करीब 800 वर्ष पुरानी 13 जैन प्रतिमाएं मिली। महावीर जयंती के अवसर पर खुदाई में प्राचीन प्रतिमाएं निकालने की जानकारी मिलते ही उनके दर्शनों के लिए वहां जनसमूह उमड़ पड़ा। जहाजपुर के अलावा आस पास के क्षेत्रों और जिलों से भी लोग दर्शन के लिए वहां पहुँचे। जिला प्रशासन ने मूर्तियों की जांच के लिए जयपुर से पुरातत्व विभाग की टीम बुलवाई। जहाजपुर कस्बे में पहले भी खुदाई में मूर्तियां मिल चुकी है।

प्रतिमाओं की कीमत करोड़ो रुपए में आंकी गई है। कस्बे में शीतलामाता मंदिर के निकट अब्दुल रशीद मकान के निर्माण के लिए मंगलवार को अपने भूखंड पर नींव की खुदाई करवा रहा था। दोपहर करीब डेढ़ बजे खुदाई करते समय जमीन के अंदर संगमरमर की एक प्रतिमा का हिस्सा देखकर मजदूर चौक पड़ा। उसने इसकी जानकारी अब्दुल रशीद को दी। रशीद ने तत्काल जैन समाज के लोगों को इस मूर्ति के बारे में बताया। कुछ ही देर में जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गये।

जैन समाज के प्रबुद्ध जनों ने जेसीबी मशीन मंगवाकर नींव की खुदाई शुरू की। इसके बाद वहां एक के बाद एक करके 13 प्रतिमाएं निकली। इनमें से अधिकांश की लंबाई साढ़े चार फीट थी। इनमें महावीर स्वामी, बाहुबली, पार्श्वनाथ व पद्मावती की प्रतिमा थी। खुदाई में मंदिर मेहराब, लाटे भी निकली। खुदाई में निकली प्रतिमाओं को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया। सुरक्षा की दृष्टि से तीन बड़ी प्रतिमाओं को दिगम्बर जैन मंदिर तथा 9 प्रतिमाओं और मंदिर मेहराब, लांटो को निकट के घर में रखवाया गया।

हम पेशेवर पत्रकार नहीं है और ना ही हमारे पास पत्रकारिता का कोई अनुभव है। बस एक चाह, एक उद्देश्य है समाज के बच्चों एवं युवा वर्ग की प्रतिभाओं को आप सबके सामने लाने का एक छोटा सा प्रयास भर है। यदि इस प्रयास में हमसे होने वाली समस्त त्रुटियों के लिए हम सदैव आपसे क्षमाप्रार्थी है।